

## स्थानीय खाद्य खाद्यघटको से दुधारू पशुओं के लिये संतुलित राशन तैयार करना

### राशन-1 (8-10 किलो दूध उत्पादन वाले पशुओं के लिए)

स्थानीय खाद्य घटक	मात्रा / भाग (किलोग्राम मे)
दली हुई मक्की	17
दला हुआ बाजरा	5
चावल की टूटन	5
कनक की पतरी	17
चावल की पतरी	13
बडेमे की खल	22.50
सरसों की खल	17.50
खनिज मिश्रण	1.50
साधारण नमक (आयोडीन युक्त)	1.50
कुल बजन	100 किलोग्राम

### राशन-2 (10 किलो से ऊपर दूध उत्पादन वाले पशुओं के लिए)

स्थानीय खाद्य घटक	मात्रा / भाग (किलोग्राम मे)
दली हुई मक्की	20
दला हुआ बाजरा	4
चावल की टूटन	4
दाल चुनी	5
कनक की पतरी	10
चावल की पतरी	7
बडेमे के बीज	3
बडेमे की खल	24
सरसों की खल	20
खनिज मिश्रण	1.50
साधारण नमक (आयोडीन युक्त)	1.50
कुल बजन	100 किलोग्राम

### राशन-3 (10 किलो से ऊपर दूध उत्पादन वाले पशुओं के लिए)

स्थानीय खाद्य घटक	मात्रा / भाग (किलोग्राम में)
दली हुई मक्की	19
दला हुआ बाजरा	4
चावल की टूटन	4
कनक की पतरी	14
चावल की पतरी	7
बडेमे के बीज	5
बडेमे की खल	23
सरसों की खल	21
खनिज मिश्रण	1.50
साधारण नमक (आयोडीन युक्त)	1.50
<b>कुल बजन</b>	<b>100 किलोग्राम</b>

### पशु पालक राशन बनाते समय तथा खिलाते वक्त निम्नलिखित बातों का ध्यान रखे

- ऊपर तैयार किये गए राशन (1-3) को 1 किलोग्राम प्रति गाय एवं 1.5 किलोग्राम प्रति भैंस, प्रति दिन उनके जीवन निर्वाह के लिए संतुलित राशन खिलाये। तथा गाय में प्रति 2.5 किलो दूध के लिए 1 किलो एवं भैंस में प्रति 2 किलो दूध के लिए 1 किलो संतुलित राशन देना जरूरी है। जब शिरफ सूखा चारा (तुड़ी या पराली) ही चारे के रूप में उपलब्ध हो।
- यदि दूधारू पशुओं के लिए हरा चारा जैसे जवी, जौ, ज्वार, बाजरा, चरी एवं मक्का आदि उपलब्ध हो तब इन हरे चारों की कुट्टी करके संतुलित राशन को दूध की मात्रा के हिसाब से हरे चारे की कुट्टी में मिलाकर खिलाने से पशु स्वास्थ्य बेहतर रहेगा तथा अधिक दूध उत्पादन के साथ-साथ उसमें वसा का अनुपात भी सही बना रहेगा।

- यदि दूधारू पशुओं के लिए बेहतर गुणवत्ता वाला हरा चारा जैसे बरसीम (स्टाला), ल्यूसर्न एवं लोबिया आदि खिलाने के लिए उपलब्ध हो तब प्रति 10 किलो बरसीम (स्टाला) खिलाने पर 1 किलो संतुलित राशन की मात्रा कम कर सकते हो।
- यह ध्यान जरूर रखे कि स्वस्थ पशु अपने शारीरिक बजन का 10 प्रतिशत हरा चारा एक दिन में खाता है मोटे तौर पर यदि पशु पालक अपने पशु को प्रति दिन 40 किलो बरसीम (स्टाला) खिलाता है तो वह 4 किलो संतुलित राशन की मात्रा कम कर सकता है।
- पशु पालक यह भी ध्यान रखे कि पशु के पूरे दिन की खुराक को 2 से 3 वार में खिलाये तथा संतुलित राशन की मात्रा को हरे चारे या सूखा चारे की कुट्टी में उसी वक्त मिलाये जब उसे पशु को खिलाना हो। पूरे दिन का एक साथ मिलाकर ना रखे।
- सभी खाद्य अवयवो (संतुलित राशन, हरे चारे व सूखा चारे की कुट्टी आदि) को एक साथ मिलाकर खिलाने से अधिक लाभ होगा।
- ऊपर तैयार किये गए संतुलित राशन (1-3) की गुणवत्ता, उपयोग में लाये गए खाद्यघटको की गुणवत्ता एवं सही तरीके से मिश्रण करने पर निरभर करेगी तथा सही तरीके से मिलाने से पशु का दूध उत्पादन भी सुधरेगा।

- इन खाद्यघटको को राशन में मिलाने से पहले मक्का, बडेमे के बीज, बडेमे एवं सरसों की खल की मोटी तथा बाजरा की बारिक पिसाई करवा लें।
- खनिज मिश्रण अच्छी गुणवत्ता वाला जैसे एग्रीमिन फोर्ट खरीदे तथा राशन बनाते समय उसमे अच्छी तरह से मिलाएं।
- अधिक दूध उत्पादन के साथ-साथ उसमे वसा की मात्रा को बनाये रखने के लिए संतुलित राशन-1 के साथ-साथ 100 से 150 ग्राम बडेमे के बीज अच्छी तरह से उबाल कर प्रति दिन की पशु खुराक के साथ दूधारू पशुओं को खिलाने से अधिक लाभ होगा।
- इसके अलावा दूध में वसा की मात्रा को बनाये रखने के लिए हरे चारे या सूखा चारे की कुट्टी की पारटीकिल साइज 8 मिलिमिटर से 20 मिलिमिटर के बीच में होनी चाहीये ।
- ये सभी प्रकार के संतुलित राशन, खाद्यघटको की स्थानीय उपलब्धता के आधार पर तैयार किये गए हैं।

**अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें:**

**डॉ. आनंद कुमार पाठक** (मोबाइल: 9682126981 & Email: [dranandpathak1974@gmail.com](mailto:dranandpathak1974@gmail.com))

वरिष्ठ सहायक प्राध्यापक

पशु पोषण विभाग

पशु चिकित्सा विज्ञान और पशुपालन संकाय,

शेर-ए-कश्मीर कृषि विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, जम्मू-181102